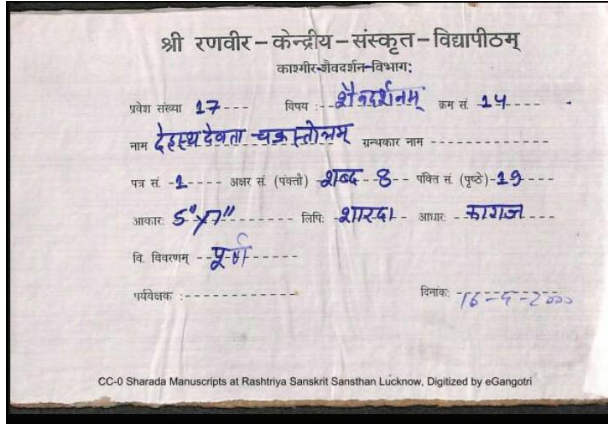


Dehastha Devata Chakra Stotram

Sharda to Devanagari transliteration worked on 26-5-2020 and 27-5-2020 by Core Sharda Team.

Main file snapshots with the link given below:

<https://archive.org/details/DehasthaDevataChakraStotramSharadaRSktSJammuNo67/mode/2up>

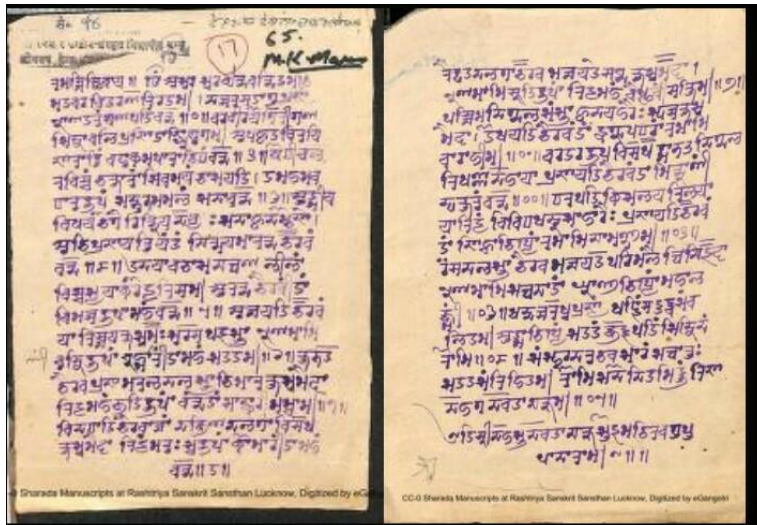


Dehastha Devata Chakra Stotram Sharada RSkt S Jammu No 67

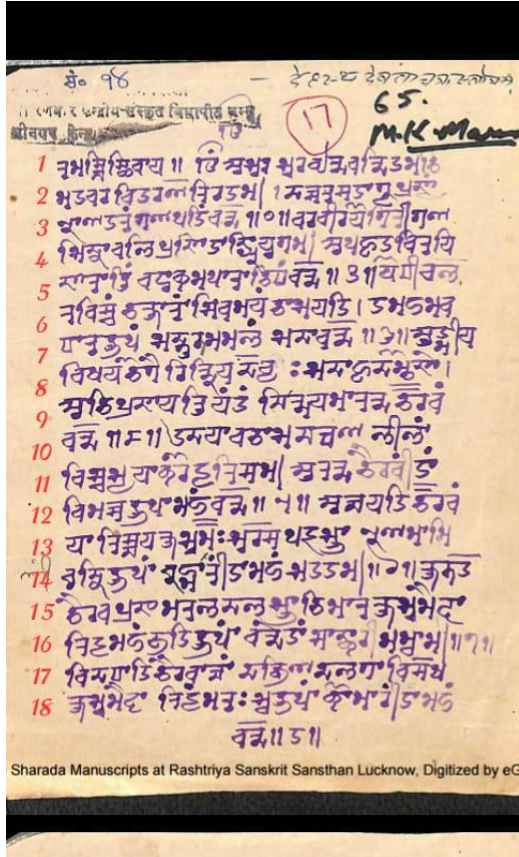
by eGangotri

Usage

CC0 1.0 Universal



Edited file with numbers



Syllable to syllable transliteration & Syllable to words and sentence formation.

1. न म श्चि च्छि वा च ऊँ अ सुर सुर वृ न्द व न्दि तम् भ
1. नमश्चिच्छिवाय ॐ असुरसुरवृन्दवन्दितम् भ
2. म त व र वि त र णे नि र तं द र्श न श ता ग्य पू ज्यं
- 2 मतवर वितरणे निरतं दर्शनशताग्र्य पूज्यं
3. प्रा ण त नुं ग ण प ति व न्दे ॥ १ ॥ व र वी र यो गि नी ग ण
3. प्राणतनुं गणपति वन्दे ॥ १॥ वरवीरयोगिनीगण
4. सि द्धा व लि पू जि ता ङ्घ्रि यु ग म् अ प ह त वि न यि
4. सिद्धावलि पूजिताङ्घ्रियुगम् अपहत विनयि

5.ज ना प्तिं ब टु क म पा ना भि धं व न्दे ॥२॥ यो धी बले

5.जनाप्तिं बटुकमपानाभिधं वन्दे ॥२॥ यो धी बले

6.न वि श्वं भ क्ता नां शि व म यं भा स य ति त म ह म व

6.न विश्वं भक्तानां शिवमयं भासयति तमहमव

7.धा न रू पं स द्गु रु म म लं स दा व न्दे ॥३॥ आ त्मी य

7.धानरूपं सद्गुरुममलं सदा वन्दे ॥३॥ आत्मीय

8. वि ष य भो गै रि न्द्रि य दे ब्यः स दा हृ द म्भो जे

8. विषय भोगैरिन्द्रियदेब्यः सदा हृदम्भोजे

9.अ भि पू ज य न्ति यं तं चि न्म य मा न न्द भै र वं

9.अभिपूजयन्ति यं तं चिन्मयमानन्द भैरवं

10.व न्दे ॥४॥ उ द या व भा स च र् व ण ली लां

10.वन्दे ॥४॥ उदयावभास चर्वण लीलां

11. वि श्व स्य या क रो त्य नि शम् आ न न्द भै र वीं तां

11. विश्वस्य या करोत्यनिशम् आनन्दभैरवीं तां

12.वि म र्श रू पा म हं व न्दे ॥५॥ अ र्च य ति भै र वं

12.विमर्शरूपामहं वन्दे ॥५॥ अर्चयति भैरवं

13.या नि श्च य कु सु मैः सु रे श प त्र स्था प्र ण मा मि

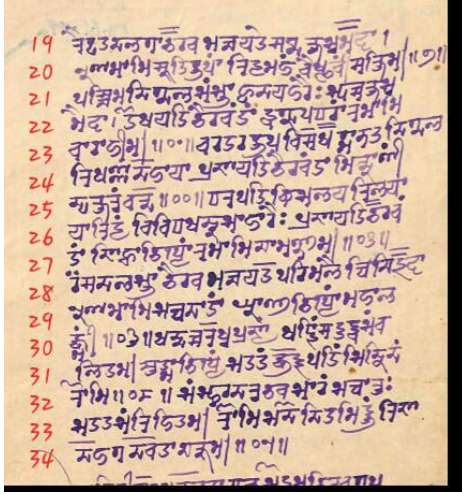
13.यानिश्चयकुसुमैः सुरेश पत्रस्था प्रणमामि

14. बु द्धि रू पां ब्र ह्मा नीं ता म हं स त त म् ॥६॥ कुरु ते

14. बुद्धिरूपां ब्रह्मानीं तामहं सततम् ॥६॥ कुरुते

15.भै र व पू जा म न ल द ल स्था भि मा न कु सु मै र्या

15. भैरव पूजामनल दलस्थाभिमान कुसुमैर्या
16. नित्यमहं कृतिरूपां वन्दे तां शाङ्करीमम्बाम् ॥७॥
16. नित्यमहं कृतिरूपां वन्दे तां शाङ्करीमम्बाम् ॥७॥
17. विदधाति भैरवार्चादक्षिणदलगाविशेष
17. विदधाति भैरवार्चादक्षिणदलगाविशेष
18. कुसुमैर्या नित्यं मनः स्वरूपां कौमारीं तामहं वन्दे ॥८॥
18. कुसुमैर्या नित्यं मनः स्वरूपां कौमारीं तामहं वन्दे ॥८॥



Syllable to syllable transliteration &
Syllable to words and sentence formation.

19. नैऋतदलगाभैरवमर्चयते शब्दकुसुमैर्या
19. नैऋतदलगाभैरवमर्चयते शब्दकुसुमैर्या
20. प्रणमामिश्रुतिरूपां नित्यमहं वैष्णवीं शक्तिम् ॥९॥
20. प्रणमामिश्रुतिरूपां नित्यमहं वैष्णवीं शक्तिम् ॥९॥
21. पश्चिमदिग्दलसंस्थाहृदयहरैः स्पर्शकुसु
21. पश्चिमदिग्दलसंस्थाहृदयहरैः स्पर्शकुसु

22. मैर्या तोषयति भैरवं तां त्वग्रूपधरां नमामि
22. मैर्या तोषयति भैरवं तां त्वग्रूपधरां नमामि
23. वाराहीम् ॥१०॥ वरतररूपविशेषैर्मारुतदिग्दल
23. वाराहीम् ॥१०॥ वरतररूपविशेषैर्मारुतदिग्दल
24. निषण्णदेहाया पूजयति भैरवं तामिन्द्राणीं
24. निषण्णदेहाया पूजयति भैरवं तामिन्द्राणीं
25. दृक्तनुं वन्दे ॥११॥ धनपति किसलयनिलया
25. दृक्तनुं वन्दे ॥११॥ धनपति किसलयनिलया
26. यानित्यं विविधषड्रसाहारैः पूजयति भैरवं
26. यानित्यं विविधषड्रसाहारैः पूजयति भैरवं
27. तां जिह्वाभिख्यां नमामि चामुण्डाम् ॥१२॥
27. तां जिह्वाभिख्यां नमामि चामुण्डाम् ॥१२॥
28. ईशदलस्था भैरवमर्चयते परिमलैर्विचित्रैर्या
28. ईशदलस्था भैरवमर्चयते परिमलैर्विचित्रैर्या
29. प्रणमामि सर्वदा तां घ्राणाभिख्यां महाल
29. प्रणमामि सर्वदा तां घ्राणाभिख्यां महाल
30. क्ष्मीम् ॥ १३॥ षड्दर्शनेषु पूज्यं षड्त्रिंशत्तत्त्वसं
30. क्ष्मीम् ॥ १३॥ षड्दर्शनेषु पूज्यं षड्त्रिंशत्तत्त्वसं
31. लितम् आत्माभिख्यं सततं क्षेत्रपतिं सिद्धिदं

In syllable 6th letter should be य

Last two letters in the same line 1 should be मभि
Line 14.

The word should be ब्रह्मणी